

हैजा का प्रकोप

चर्चा में क्यों?

हाल ही में भड़ि ज़िले के फूप कस्बे में सहसा **हैजा संक्रमण** से आमजनों में दहशत फैल गई, जिसके परिणामस्वरूप दूषित जल पीने से तीन व्यक्तियों की मृत्यु हो गई और लगभग 70 अन्य बीमार हो गए।

मुख्य बटु:

- पाइपलाइन से आपूर्तिकिये गये दूषित जल को पीने से क्षेत्र के नवासी हैजा संक्रमण के शकार हो गये।
- सूत्रों के अनुसार, इलाके में चल रहे सविलि कार्य के कारण **सीवेज का जल** पेयजल आपूर्ति पाइपलाइन में घुस गया। जल अत्यधिक दूषित हो गया और उसमें से दुर्गंध आने लगी।
- ज़िला मजिस्ट्रेट ने बताया कि स्थिति नियंत्रण में है और मरीजों की हालत स्थिर है।
 - पाइपलाइन लीकेज को ठीक कर दिया गया है और अब तीनों वार्डों में स्वच्छ जल की आपूर्ति की जा रही है
 - जल की जाँच सहित स्थिति पर नज़र रखने के लिये डॉक्टरों की एक टीम भी तैनात की गई है।

हैजा

- परचिय:**
 - हैजा, एक जल जनित बीमारी है जो मुख्य रूप से बक्खियो कोलेरा बैक्टीरिया स्ट्रेन O1 और O139 के कारण होती है, जो वश्व भर में एक बहुत बड़ी सारवजनिक स्वास्थ्य चुनौती है।
 - स्ट्रेन O1 प्रकोप का प्रमुख कारण है, O139 की घटनाएँ यदा-कदा होती हैं और अधिकतर एशिया तक ही सीमति हैं।
 - यह आँत के संक्रमण के कारण होने वाली एक तीव्र दस्त रोग है।
 - इसका संक्रमण प्रायः हल्का या बनिा लक्षणों वाला होता है, लेकिन कभी-कभी गंभीर हो सकता है।
- लक्षण:**
 - अत्यधिक दस्त, उल्टी/वमन, पैर में
- संचरण:**
 - एक व्यक्ति हैजा के जीवाणु से दूषित जल पीने या भोजन खाने से हैजा से संक्रमित हो सकता है।
 - यह बीमारी उन क्षेत्रों में तेज़ी से फैल सकती है जहाँ सीवेज और पेय जल का अपर्याप्त उपचार किया जाता है।
- वैक्सीन:**
 - वर्तमान में तीन WHO प्री-क्वालिफाइड ओरल हैजा वैक्सीन (OCV) हैं: डुकोरल, शांचोल और यूविकोल-प्लस। तीनों वैक्सीन को पूर्ण सुरक्षा के लिये दो खुराक की आवश्यकता होती है।